परियोजना के प्रयास, बुझाएंगें खेतों की प्यास

जिले में 164 बोरी बंधान का निर्माण ,

- **जिला** :– झाबुआ
- **संकुल** :– 14
- **बोरी बंधान संख्या** :– 164
- **ग्राम संख्या** :– 68
- **लाभान्वित परिवार** :– 992
- **सिंचित क्षेत्र में वृद्धि** :– 1161 एकड़
- **प्रशिक्षण** :– जिला स्तरीय 1, संकुल स्तरीय 14
- **कार्यक्रम समन्वय** :– प्रदीप अरोरा ,विषय विशेषज्ञ,वानिकी एंव जलग्रहण
- **उद्देश्य** :– बहते पानी पर रोक लगाकर सिंचाई में उपयोग करना।

  – कम लागत के निर्माण के माध्यम से अधिक लाभ लेना।

  – किसानों को कम लागत तकनीक से परिचित कराना।

  – कुंओं एंव हेंडपम्प की रिचार्ज करने की दिशा में प्रयास करना।

  – पानी की उपलब्धता के साथ सब्जी उत्पादन को बढावा दिलवाना।

  – सतही जल की उपलब्धतता की अवधि बढ़ाना।

  – गेट विहीन स्टाप डेम को बोरी से पैक कर उपयोगी बनाना।

'' झाबुआ जिले के ग्राम धामंजर का किसान रमेश इस वर्ष गेहू की फसल की तैयारी में हैं। गत वर्ष पानी की कमी के कारण रवी मौसम में जैसे तैसे कपास की फसल को पानी दे पाया था। खेत के समीप बहने वाले नाले में गडडे कर पानी निकालने को मजबूर किसान अब अपने खेत के पास निर्मित बोरी बंधान से खासे उत्साहित हैं। बदलाव के इस प्रयास में परियोजना का मार्गदर्शन ,ग्राम सभा का वित्तीय सहयोग एंव ग्रामिणों की इच्छा शक्ति भरा श्रम अंशदान कारगर साबित हुआ हैं। ''

थांदला संकुल के ग्राम धामंजर में 4 बोरीबंधान के माध्यम से कपास की मुरझाई हुई फसल पुनः लहलहाने लगी है। इस बंधान के माध्यम से 250 परिवाार वाले इस ग्राम में 50 किसानों की 15 से 20 एकड भूमि सिंचित हुई है। यह किसान इस साल गेंहू के साथ सब्जी लेने की तैयारी में लगे हैं। ग्राम के किसान बगला कसरिया का कहना है, कि पहले नदी में गड्ढे कर पानी लेना पडता था, लेकिन बंधान के निर्माण से अब सीधे मोटर लगाकर खेतों को पानी दिया जा रहा है। इसी ग्राम के किसान रमेश का कहना है, कि इस साल वो गेंहू के साथ सब्जी उत्पादन की तैयारी में हैं। गत वर्ष पानी की कमी के कारण सिंचाई में परेशनी हुई थी। रमेश की तरह जिले के परियोजना ग्रामों के 992 किसान अब अपने सपने को साकार होते महसूस कर रहे हैं। इस बदलाव के पीछे परियोजना के प्रयासो से निर्मित वह 164 बोरी बंधान है जो 1161 एकड़ खेतों की प्यास बुझाने की जिम्मेदारी उठाने तैयार किये गये हैं। इसी ग्राम में एक पांच गेट वाले स्टाप डेम को बोरी से बंद कर पानी रोकने के लिये उपयोगी बनाया गया हैं।

जिले की अद्यतन स्थिति

जिला परियोजना अधिकारी श्री आशीष मोहन शर्मा के अनुसार म.प्र.ग्रामीण आजीविका परियोजना अन्तर्गत झाबुआ जिले में 164 बोरीबंधान के माध्यम से 1161 एकड़ भूमि को सिंचित होगी। परियोजना के माध्यम से 14 संकुलों में निर्मित इन बोरी बंधान के माध्यम से 992 किसान को लाभ होगा। कम लागत की उपयोगी तकनीक को अपनाते हुए झाबुआ जिले में परियोजनानर्तत जलग्रहण कार्यक्रम के तहत लक्षित किये गये बोरी बंधानों ने आकार रुप ले लिया है। जिले में निर्मित बोरीबंधान के माध्यम से किसानें ने रबी की फसल में पानी लेना भी प्रारंभ कर दिया है। पानी की कमी से मुरझा रही कपास की फसल लहलहा उठी है। कई किसान अब परम्परागत फसल से हट कर दूसरी दलहन एंव सब्जी उत्पादन की तैयारी में लगे हैं। बहते पानी का रुकना बोरी बंधान के आसपास के किसानों को उत्साहित कर रहा हैं।

क्र.	संकुल	बोरी बंधान संख्या	सिंचित क्षेत्र (एकड़ में)	लाभान्वित परिवार
1	मेघनगर 2	4	16	27
2	झाबुआ 1	3	35	18
3	काकनवानी 2	7	46	40
4	थांदला	24	57	86
5	बामनिया	5	156	128
6	काकनवानी 1	4	28	23
7	कल्याणपुरा	7	47	84
8	पारा	62	330	217
9	झाबआ 2	2	15	19
10	रानापुर	9	85	82
11	सारंगी	28	307	222
12	रायपुरिया	4	27	35
13	कालीदेवी	1	03	04
14	मेघनगर 1	4	09	07
	कुल	**164**	**1161**	**992**

जिला स्तरीय एवं संकुल स्तरीय प्रशिक्षण

विषय विशेषज्ञ वानिकी एंव जलग्रहण श्री प्रदीप अरोरा के अनुसार बोरीबंधान निर्माण हेतु इस वर्ष व्यवस्थित कार्ययोजना के माध्यम से कार्यक्रम को मूर्तरूप दिया गया है। गत दिनों परियोजना अमले को बोरी बंधान के प्रति उन्मुखीकरण करने एवं तकनीकी जानकारी देने जमीनी स्तर पर सजीव प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिले के जलग्रहण विभाग के अंतर्गत इसके लिए सर्वप्रथम रानापुर के टिकडी बोडिया में जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें सभी संकुलों के समन्वयक एवं जलग्रहण कार्य संपादित कर रहे सदस्य उपलब्ध हुए। इस बोरी बंधान के माध्यम से निर्माण की तकनीक एवं स्थल चिन्हिकरण का प्रशिक्षण दिया गया। इसके उपरांत सभी संकुलो के एक–एक ग्राम में प्रशिक्षण के माध्यम से आजीविका मित्रों का बोरीबंधान निर्माण हेतु उन्मुखीकरण किया गया। इसी का परिणाम रहा, कि जिले में बेहतर तकनीक से बोरीबंधान का निर्माण हो सका।

सर्वाधिक बोरी बंधान निर्माण

झाबुआ जिले के संकुल पारा में सर्वाधिक बोरीबंधान का निर्माण ग्राम स्तर पर कराया गया है। ग्राम सभा के अनुमोदन एंव ग्रामिणों की श्रम आधारित भागीदारी के माध्यम से संकुल में 62 बोरीबंधान के माध्यम से विस्तृत क्षेत्र को सिंचित करने की योजना है। परियोजना के प्रयासों को ग्रामीणों का बेहतर समर्थन मिलने का परिणाम इस संख्या के रूप में उभरकर सामने आया है। संकुल के ग्राम बराड़ में निर्मित 7 बोरी बंधान से 36 एकड़ खेत से 40 परिवार लाभान्वित होगे। इसी तरह दौलतपुरा में निर्मित 6 बोरी बंधान से 29 एकड़ खेतों से 32 परिवारों को लाभ होगा। बराड़ के सरपंच श्री तोलसिंह नलवाया का कहना है कि इस निर्माण से अभी से कुएं रिचार्ज होने लगे हैं। फसल को लाभ होगा वह अतिरिक्त हैं।

एक गांव मे एक से ज्यादा बोरीबंधान

“ थांदला संकुल के ग्राम जुलवानिया बडा में 4 बोरी बंधान निर्माण कर 13 परिवारों को लाभ पहुंचाने का प्रयास किया गया है। ग्राम जुलवानिया बडा में तड़वी वाला नाला पर 4 बोरी बंधान निर्मित किये गये हैं। 6500 रूपये की अल्प लागत से निर्मित इस बंधान के माध्यम से किसानों को बेहतर फायदा होगा। वही 197 परिवारों वाले इस ग्राम में कई किसान अप्रत्यक्ष रुप से फायदा लेगे। स्थानीय संरपंच श्रीमती कांति रमेश का कहना है कि इसके माध्यम से खेतों की प्यास बुझाने में मदद मिलेगी। किसानों को दूसरी फसल लेने का रास्ता भी मिलेगा। इसी तरह धामंजर,कालीरुडी एंव खोखर खादन में भी 4–4 बोरी बंधान का निर्माण किया गया हैं।

“ पारा संकुल के ग्राम दौलतपुरा में निर्मित 6 बोरी बंधान के माध्यम से 29 एकड़ भूमि सिंचित होगी । इससे 32 परिवार लाभान्वित होगें। बराड़ ग्राम में 7 बोरी बंधान के माध्यम से 36 एकड़ जमीन सिंचिंत कर 40 परिवार लाभान्वित होगे। दौलतपुरा सरपंच मगन सिंह सौलंकी का कहना है कि इस निर्माण से न केवल इस गांव बल्कि नरवाली के ग्रामीण को भी फायदा होगा। बराड़ सरपंच तोलसिंह नलवाया का कहना है कि बोरी बंधान के माध्यम से दो कुंए अभी से रिचार्ज हो गये हैं। बाकि को भी इससे फायदा होगा।

“ कल्याणपुरा के ग्राम खुटाया में 8 बोरी बंधान का निर्माण किया गया हैं। नेगड़ी नदी पर निर्मित इस बंधान से 178 परिवारों के इस गांव में 65 परिवार फायदा लेगें। इस बंधान से समीप के गांव हीरापुर को भी फायदा होगा। धावड़ीपाड़ा में निर्मित 30 मीटर लम्बे बोरी बंधान से ग्राम का खासा फायदा होगा। ग्राम के सरपंच रमेश मुणिया ने स्वंय प्रस्ताव रखकर अपनी निगरानी में इस निर्माण को पूर्ण किया हैं।

नदी को बांधने का प्रयास

थांदला के ग्राम नाथपाडा में पदमावती नदी पर बहते पानी को रोकर 8 किसानों के 10 एकड क्षेत्र को सिंचित किया गया है। 707 परिवारों के इस ग्राम में 8 किसान जहां सीधे लाभान्वित हुए हैं, वहीं स्थानीय कुए इससे रिचार्ज हुए हैं। 5000 रू. की परियोजना सहायता एवं किसानों के श्रम आधारित सहयोग से निर्मित इस बंधान से किसानों ने कपास की खड़ी फसल में पानी देना प्रारंभ कर दिया है। इसी तरह इसी संकुल के ग्राम धामंजर में 4 बोरीबंधान के माध्यम से कपास की मुरझाई हुई फसल पुनः लहलहाने लगी है। इस बंधान के माध्यम से 250 परिवाार वाले इस ग्राम में 50 किसानों की 15 से 20 एकड भूमि सिंचित हुई है। यह किसान इस साल गेंहू के साथ सब्जी लेने की तैयारी में लगे हैं। ग्राम के किसान बगला कसरिया का कहना है, कि पहले नदी में गड्ढे कर पानी लेना पडता था, लेकिन बंधान के निर्माण से अब सीधे मोटर लगाकर खेतों को पानी दिया जा रहा है। इसी ग्राम के किसान रमेश का कहना है, कि इस साल वो गेंहू के साथ सब्जी उत्पादन की तैयारी में हैं। गत वर्ष पानी की कमी के कारण सिंचाई में परेशनी हुई थी।

बामनिया के ग्राम बोरपाड़ा में 8000 रुपये की लागत से निर्मित 30 मीटर लम्बे बोरी बंधान सें 37 किसानों की 42 एकड़ जमीन सिंचित होगी। इतने बड़े क्षेत्र को सिंचिंत करने की यह पहल परियोजना के लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास हैं।

गत वर्ष के परिणाम

गत वर्ष परियोजना के 26 ग्रामों में 39 बोरी बंधान निर्माण किये गये थे। इससे 366 किसानों नें लाभ उठाया था। इन किसानों की 161 हेक्टेयर जमीन सिंचित हुई थी। इस निर्माण पर परियोजना कोष से ग्राम सभा के माध्यम से 1 लाख 47 हजार रुपये व्यय किये गये थे। इस निर्माण में ग्राम वासियों ने मजदूरी के रुप में अपना अंशदान दिया था।

राज्य समन्वयकों द्वारा अवलोकन

थांदला के ग्राम सागवानी में निर्मित बोरी बंधान का राज्य समन्वयक श्री नरेश यादव एंव हरी सिंह जी ने भ्रमण कर बड़लीवाला नाला पर निर्मित बोरी बंधान को देखा। ग्राम में 5 बोरी बंधान के माध्यम से 35 एकड़ जमीन सिंचित होगी। ग्राम के यशवंत छनिया ने पाइप तकनीक का उपयोग कर बोरी बंधान से कुओं का रिचार्ज करने में सफलता हासिल कर ली हैं। इससे खूमसिंह का कुआं रिचार्ज हो गया हैं।

रिपोर्ट :– संजय सक्सेना